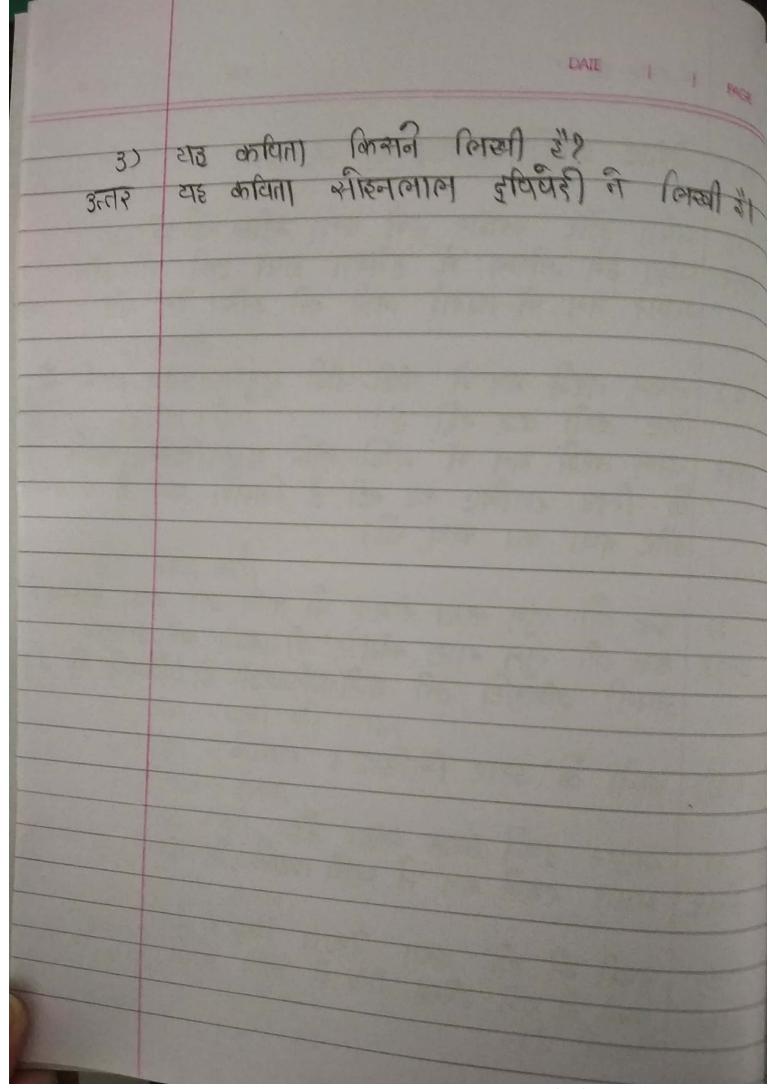
DATE 10 104121
पाठ - 1 भक्ति का अंदेश
A) वािंग बाद्य
1) र्जधा
2) ग्रहराइ 3) 35-35 4) ग्रिए- मिए
5) पृथ्वी 6) स्मिर
B) शब्द अर्थ
1) प्यंत -पडाइ
2) धीर्य - धीरम, भवा 3) नरंग - पानी की लहर 4) भुदुल - कीमल
4) सदुल - कोमल 5) संसाद - दुनिया 6) तरल - देवे, वहने वाला पदार्थ
1) 300181 - 3001171, माज
१) नभ - आकार

DATE I I PAGE (८) सीचिए और जताइए -1) पर्यत और भाग हमें करा। श्रीख दैन हैं? उत्तर पर्वत हमें जीवन में हमेशा ऊपर उठने की और व्यागर गन में गर्गाई लाने की क्रीख देता है। 2) तरल तरंजें मन में भीठी-भीठी भरदल उमंग अरने की लिए कयों कार नहीं है। १ उत्तर तरल तरंगें मन में अिंगिन भी शहुल उमंग भरने की भागता और दया का भाष रहे। 3) 'ढक ली तुम मारा मंमार' मी कवि का क्या माराय है उत्तर 'कक ली तुम सारा भंमार' भी काथ का आराय अपनी प्रसिष्धि की घारीं दिशाओं से फोनाने में हैं? (D) प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सागर डमसे क्या कहता है? भागित इससी मन में गहराई लाने की लिए कहता है। 3-5/2 प्राची की इमें कया पिरणा भिनाती हैं? एष्पी भी इमें हमेशा धेर्य से कार्य करने की प्रेरणा 30017 भिलती है।



Scanned with CamScanner